भारत सरकार
नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2992
बुधवार, दिनांक 19 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने हेतु

<u>महाराष्ट्र में सौर पार्कों की स्थापना</u>

2992. श्री संजय उत्तमराव देशमुखः
श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ पवन राजेनिंबालकरः क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान देश में स्थापित सौर पार्कों की संख्या कितनी है और वर्तमान में महाराष्ट्र सहित राज्य-वार कितने सौर पार्क प्रचालनरत हैं;

(ख) क्या सरकार ने महाराष्ट्र में नए सौर पार्कों की स्थापना हेतु अनुमोदन प्रदान कर दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इसमें यवतमानल-वाशिम और उस्मानाबाद संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों को भी शामिल किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) विगत पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान महाराष्ट्र में उक्त प्रयोजनार्थ आवंटित और व्यय की गई निधि का जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ङ) विद्युत उत्पादन हेतु सौर ऊर्जा का उपयोग करने के लिए अन्य क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(च) महाराष्ट्र राज्य में वर्तमान में कार्यान्वित की जा रही सौर ऊर्जा परियोजनाओं और शुरू किए जा रहे कार्यों का जिला-वार ब्यौरा क्या है; और

(छ) क्या सरकार के पास विशेषकर आकांक्षी जिलों के संबंध में कोई परियोजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा और विद्युत राज्य मंत्री
(श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क) "सौर पार्कों और अल्ट्रा-मेगा सौर विद्युत परियोजनाओं का विकास" के अंतर्गत स्वीकृत सौर पार्क, जो वर्तमान में कार्यशील हैं, का राज्यवार विवरण अनुलग्नक-**I** में दिया गया है।

(ख) सरकार ने योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र में चार सौर पार्कों को स्वीकृति दी है। विवरण अनुलग्नक-**II** में दिया गया है।

(ग) वर्तमान में महाराष्ट्र के वाशिम-यवतमल और उस्मानाबाद संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में योजना के तहत कोई सौर पार्क स्वीकृत नहीं हुआ है।

(घ) योजना के तहत राज्य-वार धनराशि आवंटित नहीं की गई है। पिछले पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान महाराष्ट्र के धुले जिले में सौर पार्कों के विकास के लिए 12 करोड़ रुपये की केंद्रीय वित्तीय सहायता जारी की गई है।

(ङ) सरकार ने देश में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं। उठाए गए प्रमुख कदमों का विवरण अनुलग्नक-**III** में दिया गया है।

(च) महाराष्ट्र ऊर्जा विकास एजेंसी से प्राप्त सूचना के अनुसार, महाराष्ट्र में चालू की गई और चालू होने वाली सौर परियोजनाओं के विवरण को अनुलग्नक-**IV** में दिया गया है।.

(छ) सरकार देश में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू कर रही है, जिसमें आकांक्षी जिले भी शामिल हैं। योजनाओं का विवरण अनुलग्नक-**V** में दिया गया है।

अनुलग्नक-I

'महाराष्ट्र में सौर पार्कों की स्थापना' के संबंध में पूछे गए दिनांक 19.03.2025 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 2992 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक-I

"सौर पार्कों और अल्ट्रा-मेगा सौर विद्युत परियोजनाओं का विकास" योजना के अंतर्गत स्वीकृत सौर पार्क, जो वर्तमान में कार्यशील हैं, का विवरण

क्र.सं.	राज्य	पार्क का नाम	स्वीकृत क्षमता (मेगावाट)	स्थापित परियोजनाएं (मेगावाट)
1.	आंध्र प्रदेश	अनंतपुरमु सौर पार्क	1400	1400
2.		कुरनूल सौर पार्क	1000	1000
3.		कडप्पा सौर पार्क	1000	387
4.		अनंतपुरमु-II सौर पार्क	500	400
5.	छत्तीसगढ	राजनंदगांव सौर पार्क	100	100
6.	गुजरात	राधनेसदा सौर पार्क	700	700
7.		धोलेरा सौर पार्क	1000	300
8.	कर्नाटक	पावागडा सौर पार्क	2000	2000
9.	केरल	कासरगोड सौर पार्क	105	105
10.	मध्य प्रदेश	रीवा सौर पार्क	750	750
11.		मंदसौर सौर पार्क	250	250
12.		नीमच सौर पार्क	500	330
13.		आगर सौर पार्क	550	550
14.		शाजापुर सौर पार्क	450	155
15.		ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर पार्क	600	278
16.	मिजोरम	वंकल सौर पार्क	20	20
17.	राजस्थान	भाडला-II सौर पार्क	680	680
18.		भाडला-III सौर पार्क	1000	1000
19.		भाडला-IV सौर पार्क	500	500
20.		फलोदी-पोखरण सौर पार्क	750	450
21.		फतेहगढ़ फेज-1बी सौर पार्क	421	421
22.		नोख सौर पार्क	925	190
23.	उत्तर प्रदेश	उत्तर प्रदेश में सौर पार्क	365	365
24.		कलपी सौर पार्क	65	65

अनुलग्नक-**II**

'महाराष्ट्र में सौर पार्कों की स्थापना**'** के संबंध में पूछे गए दिनांक 19.03.2025 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 2992 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक-**II**

"सौर पार्कों और अल्ट्रा-मेगा सौर विद्युत परियोजनाओं का विकास" योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र में स्वीकृत सौर पार्कों का विवरण

क्र.सं.	पार्क का नाम	स्वीकृत क्षमता (मेगावाट)
1.	दौंडैचा सौर पार्क	250
2.	पटोदा सौर पार्क	250
3.	एराई फ्लोटिंग सौर पार्क	105
4.	साईं गुरु सौर पार्क	500

अनुलग्नक-**III**

'महाराष्ट्र में सौर पार्कों की स्थापना**'** के संबंध में पूछे गए दिनांक 19.03.2025 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 2992 के भाग (ङ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक-**III**

देश में सौर ऊर्जा को बढावा देने के लिए उठाए गए प्रमुख कदम

- वित्त वर्ष 2023-24 से वित्त वर्ष 2027-28 तक अक्षय ऊर्जा कार्यान्वयन एजेंसियों [आरईआईएः सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लि. (सेकी), एनटीपीसी लि., एनएचपीसी लि., एसजेवीएन लि.] द्वारा जारी की जाने वाली 50 गीगावाट/वर्ष की अक्षय ऊर्जा विद्युत बोलियों के लिए ट्रैजेक्ट्री की अधिसूचना।
- ऑटोमेटिक रूट के अंतर्गत 100 प्रतिशत तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति दी गई है।
- सौर और पवन विद्युत की इंटर-स्टेट बिक्री के लिए दिनांक 30 जून, 2025 तक चालू होने वाली परियोजनाओं के लिए इंटर स्टेट ट्रांसमिशन प्रणाली (आईएसटीएस) शुल्कों को माफ कर दिया गया है।
- अक्षय ऊर्जा खपत को बढ़ावा देने के लिए, अक्षय ऊर्जा खरीद बाध्यता (आरपीओ) के बाद अक्षय उपभोग बाध्यता (आरसीओ) ट्रैजेक्ट्री को वर्ष 2029-30 तक के लिए अधिसूचित किया गया है।
- ग्रिड कनेक्टेड सौर, पवन, पवन-सौर हाइब्रिड और सतत एवं प्रेषण योग्य अक्षय ऊर्जा (एफडीआरई) परियोजनाओं से विद्युत की खरीद के लिए टैरिफ आधारित स्पर्धात्मक बोली प्रक्रिया के लिए मानक बोली दिशानिर्देश जारी किए गए हैं।
- प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम), पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, राष्ट्रीय उच्च दक्षता सौर पीवी मॉड्यूल कार्यक्रम, राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन जैसी योजनाएं शुरू की गई हैं।
- सौर पार्क और अल्ट्रा मेगा सौर विद्युत परियोजनाओं की स्थापना के लिए, अक्षय ऊर्जा डेवलपरों को बड़े स्तर पर अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना हेतु भूमि एवं ट्रांसमिशन उपलब्ध कराने के लिए योजना का कार्यान्वयन किया जा रहा है।
- अक्षय विद्युत की निकासी के लिए ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर योजना के अंतर्गत नई ट्रांसमिशन लाइनें बिछाने और नई सब-स्टेशन क्षमता विकसित करने हेतु वित्तपोषण किया गया है।
- पांच सौ किलोवाट तक अथवा स्वीकृत विद्युत लोड तक, जो भी कम हो, नेट-मीटरिंग के लिए विद्युत (उपभोक्ता के अधिकार) नियम, 2020 जारी किए गए हैं।
- समान अक्षय ऊर्जा टैरिफ (यूआरईटी) शुरू किया गया है जिसके माध्यम से टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के जरिए दी गई समान प्रकार की अलग-अलग अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के टैरिफ का औसत निकालकर उपभोक्ताओं को एक समान टैरिफ प्रदान किया जाएगा। दिनांक 15 फरवरी, 2024 से "सौर विद्युत केन्द्रीय पूल" और "सौर-पवन हाइब्रिड सेंट्रल पूल" के लिए यूआरईटी के कार्यान्वयन को अधिसूचित किया गया है।
- सौर फोटोवोल्टेक मॉड्यूलों और ग्रिड कनेक्टेड सौर इनवर्टरी के लिए मानक एवं लेबलिंग (एस एंड एल) कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।

- तीव्र अक्षय ऊर्जा ट्रैजेक्ट्री के लिए आवश्यक ट्रांसमिशन अवसंरचना को बढ़ाने के लिए वर्ष 2030 तक की ट्रांसमिशन योजना तैयार की गई है।
- "विद्युत (विलंब भुगतान अधिभार और संबंधित मामले) नियम (एलपीएस नियम)" की अधिसूचना जारी की गई है।
- सभी के लिए किफायती, भरोसेमंद और सतत हरित ऊर्जा तक पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दिनांक 06 जून, 2022 को विद्युत (हरित ऊर्जा खुली पहुंच के माध्यम से अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा) नियम, 2022 अधिसूचित किए गए हैं। वितरण लाइसेंसधारी को उसी विद्युत प्रभाग में स्थित कुल मिलाकर सौ किलोवाट या इससे अधिक के एकल या बहु एकल कनेक्शन के माध्यम से 100 किलोवाट या इससे अधिक की संविदा मांग के साथ किसी भी उपभोक्ता को हरित ऊर्जा खुली पहुंच (ग्रीन एनजी ओपन एक्सेस) की अनुमति है।
- एक्सचेंजों के माध्यम से अक्षय ऊर्जा विद्युत की बिक्री को सुविधाजनक बनाने के लिए ग्रीन टर्म अहेड मार्केट (जीटीएएम) की शुरुआत की गई है।
- सरकार ने यह आदेश जारी किए हैं कि विद्युत की आपूर्ति साख पत्र (लेटर ऑफ क्रेडिट एलसी) या अग्रिम भुगतान के माध्यम से की जाएगी ताकि वितरण लाइसेंसधारियों द्वारा अक्षय ऊर्जा उत्पादकों को समय पर भुगतान सुनिश्चित हो सके।

अनुलग्नक-**IV**

'महाराष्ट्र में सौर पार्कों की स्थापना' के संबंध में पूछे गए दिनांक 19.03.2025 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 2992 के भाग (च) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक-**IV**

महाराष्ट्र ऊर्जा विकास एजेंसी (एमईडीए) द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार महाराष्ट्र में चालू की गई और चालू की जाने वाली सौर परियोजनाओं का विवरण

चालू की गई जिला-वार ग्रिड-कनेक्टेड सौर विद्युत परियोजना

क्र.सं.	जिले का नाम	परियोजनाओं की संख्या	चालू की गई क्षमता (मेगावाट)
1	अहमदनगर	35	164.56
2	अकोला	17	77.965
3	अमरावती	19	237.81
4	औरंगाबाद	5	119.89
5	बीड	17	228.9
6	भंडारा	0	0
7	बुलधाना	10	246.8
8	चंद्रपुर	4	10
9	धुले	27	499.69
10	गोंदिया	0	0
11	हिंगोली	5	64.2
12	जलगांव	9	261.205
13	जलना	25	489.85
14	कोल्हापुर	2	6.8
15	लातुर	46	185.55
16	नागपुर	17	133.318
17	नांदेड़	20	203.175
18	नंदुरबार	1	2
19	नासिक	25	170.235
20	धाराशिव	64	331.04
21	परभनी	22	218.22
22	पुणे	10	79.18
23	रायगढ़	0	0
24	रत्नागिरि	1	1
25	सांगली	4	14.56
26	सतारा	15	296.95

क्र.सं.	जिले का नाम	परियोजनाओं की संख्या	चालू की गई क्षमता (मेगावाट)
27	सिंधुदुर्ग	0	0
28	सोलापुर	163	879.238
29	वर्धा	12	111.98
30	वाशिम	0	0
31	यवतमल	19	249.55
	कुल (क)	594	5283.66
	एमएसकेवीवाई 2.0 - एमएसईडीसीएल द्वारा कार्यान्वित (कुल - ख)		150
	रूफटॉप सौर विद्युत परियोजनाएं (कुल-ग)		3032.84
	कुल (क+ख+ग)		8466.50

चालू होने वाली जिला-वार ग्रिड-कनेक्टेड सौर विद्युत परियोजनाएं

क्र.सं.	जिले का नाम	परियोजनाओं की संख्या	चालू होने के अंतर्गत (मेगावाट)
1	अहमदनगर	7	34.37
2	अकोला	1	1.28
3	अमरावती	2	10
4	औरंगाबाद	0	0
5	बीड	7	60.01
6	भंडारा	0	0
7	बुलधाना	3	18.13
8	चंद्रपुर	2	3.5
9	धुले	2	52
10	गोंदिया	0	0
11	हिंगोली	4	270.9
12	जलगांव	2	12.7
13	जलना	2	51.5
14	कोल्हापुर	0	0
15	लातुर	1	2.5
16	नागपुर	2	4.85
17	नांदेड़	5	14.6
18	नंदुरबार	0	0

क्र.सं.	जिले का नाम	परियोजनाओं की संख्या	चालू होने के अंतर्गत (मेगावाट)
19	नासिक	1	25
20	धाराशिव	1	7.35
21	परभनी	2	13.3
22	पुणे	1	6
23	रायगढ़	0	0
24	रत्नागिरि	0	0
25	सांगली	0	0
26	सतारा	0	0
27	सिंधुदुर्ग	0	0
28	सोलापुर	17	232.39
29	वर्धा	2	52.7
30	वाशिम	0	0
31	यवतमल	3	88.1
	कुल (क)	67	961.18

<u>महाजेनको की चालू सौर परियोजनाओं का विवरण</u>

क्र.सं.	विशिष्ट	क्षमता (मेगावाट)
1	सीएमएजीएफ योजना (एमएसकेवीवाई 2.0)	1071
2	बोलीदाता द्वारा भूमि के साथ ईपीसी (चरण I और II)	1200
3	दोंडैचा, जिला-धुले में सौर पार्क	250
4	यवतमल में सौर ऊर्जा परियोजनाएं (2X25)	50
5	वाशिम में सौर ऊर्जा परियोजनाएं (2X20)	40
6	पारस, जिला - अकोला	62
7	लखमापुर, जिला - चंद्रपुर	65
8	लातुर में ईपीसी सौर परियोजनाएं	60
9	टीपीएस भूमि पर ईपीसी सौर परियोजनाएं	52
10	एमएसकेवीवाई-1.0 (179 मेगावाट योजना) सौर विद्युत परियोजनाएं	16.16
11	बीटीपीएस भुसावा में ग्रीन हाइड्रोजन परियोजना	0.5
	कुल	2866.66

अनुलग्नक-**V**

'महाराष्ट्र में सौर पार्कों की स्थापना**'** के संबंध में पूछे गए दिनांक 19.03.2025 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 2992 के भाग (छ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक-**V**

सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए कार्यशील योजनाओं का विवरण

1. 40,000 मेगावाट क्षमता की स्थापना के लक्ष्य के साथ सौर पार्कों और अल्ट्रा मेगा सौर विद्युत परियोजनाओं के विकास के लिए योजना। इस योजना के तहत भूमि, सड़क, विद्युत निकासी प्रणाली, जल की सुविधाएं जैसी अवसंरचना सभी सांविधिक स्वीकृतियों/अनुमोदनों के साथ विकसित की जाती हैं। इस प्रकार, यह योजना देश में उपयोगिता-स्तर की सौर परियोजनाओं के शीघ्र विकास में मदद करती है।
2. रूफटॉप सौर की स्थापना और एक करोड़ घरों के लिए प्रति माह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करने के लिए पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना।
3. उच्च दक्षता सौर पीवी मॉड्यूलों (भाग-I और II) में गीगावाट स्तर की उत्पादन क्षमता प्राप्त करने के लिए "राष्ट्रीय उच्च दक्षता सौर पीवी मॉड्यूल कार्यक्रम" नामक उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना।
4. छोटे ग्रिड संबद्ध सौर ऊर्जा विद्युत संयंत्रों, स्टैण्ड-अलोन, सौर चालित कृषि पंपों और मौजूदा ग्रिड कनेक्टेड कृषि पंपों के सौरीकरण को बढ़ावा देने के लिए पीएम-कुसुम योजना। यह योजना न केवल किसानों के लिए, बल्कि राज्यों और डिस्कॉमों के लिए भी लाभदायक है। राज्यों को कृषि उपभोक्ताओं को बिजली पर दी जा रही सब्सिडी की बचत होगी और डिस्कॉमों को सस्ती सौर विद्युत मिलेगी, जिससे अंत में पारेषण एवं वितरण हानियाँ नहीं होंगी।
5. सरकारी उत्पादकों द्वारा स्वयं के उपयोग के लिए अथवा सरकार/सरकारी संस्थाओं के उपयोग के लिए सीधे अथवा वितरण कंपनियों (डिस्कॉमों) के माध्यम से व्यवहार्यता अंतराल वित्तपोषण (वीजीएफ) सहायता के साथ 12000 मेगावाट ग्रिड कनेक्टेड सौर फोटोवोल्टेक (पीवी) विद्युत परियोजनाओं की स्थापना के लिए केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (सीपीएसयू) की योजना चरण-II (सरकारी उत्पादक योजना)।
6. ऑफ-ग्रिड सौर लाइटिंग प्रदान करने के प्रावधान के साथ प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए) के अंतर्गत नई सौर विद्युत योजना (जनजातीय और पीवीटीजी बसाहटों/गांवों के लिए), जहाँ ग्रिड के माध्यम से बिजली की आपूर्ति तकनीकी-आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं है।

*****